R. J. COLLEGE of Arts, Science & Commerce (Empowered Autonomous)

(Hindi Vidya Prachar Samiti's **RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE of Arts, Science & Commerce**)

Opposite Ghatkopar Railway Station, Ghatkopar (West), Mumbai - 400086, Maharashtra, INDIA.

Website: www.rjcollege.edu.in • Email : rjcollege@rjcollege.edu.in • Tel No. + 91 22 25151763

College is recognized under Section 2(f) & 12(B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to UNIVERSITY OF MUMBAI II NAAC Re-Accredited 'A' Grade (CGPA: 3.10)

Two Day National Seminar
21vi Sadi ki Chunautiyan aur Hindi Katha Sahitya

Brochure

PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA

R. J. COLLEGE of Arts, Science & Commerce (Empowered Autonomous)
(Hindi Vidya Prachar Samiti's RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE of Arts, Science & Commerce)
Opposite Ghatkopar Railway Station, Ghatkopar (West), Mumbai - 400086, Maharashtra, INDIA.
Website: www.rjcollege.edu.in • Email : rjcollege@rjcollege.edu.in • Tel No. + 91 22 25151763
College is recognized under Section 2(f) & 12(B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to UNIVERSITY OF MUMBAI II NAAC Re-Accredited 'A' Grade (CGPA: 3.10)

PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE
OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA

महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई

एवं

हिन्दी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित

रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय (सशक्त स्वायत्त)

घाटकोपर (प.) मुंबई - ४०००८६

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

दो - दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद

:- विषय -:

समकालीन हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचारधारा

शुक्रवार व शनिवार, २३ - २४ फरवरी, २०२४, प्रातः १० बजे से

:- भवदीय -:

डॉ. मिथिलेश शर्मा
संयोजिका, (हिन्दी विभागाध्यक्षा)

डॉ. हिमांशु दावड़ा
(प्राचार्य)

आप सभी सादर आमंत्रित हैं !

महाविद्यालय व हिंदी विभाग

हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय की स्थापना सन् १९६३ में देश और समाज में उच्च शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई। तब से आजतक हमारा महाविद्यालय निरंतर ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (N.A.A.C.) द्वारा तृतीय चक्र में महाविद्यालय को ३.५० सी.जी.पी.ए. के साथ 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया है।

रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय की स्थापना के साथ आरंभ हुए हिंदी विभाग को मुंबई विश्वविद्यालय का मुंबई महानगर में पहला हिंदी स्नातकोत्तर केंद्र आरंभ करने का गौरव प्राप्त है। साथ ही, महाविद्यालय को हिंदी विषय में पी-एच.डी. (शोधकेंद्र) की भी अनुमति प्राप्त है। हिंदी विभाग अपने विद्यार्थियों के समग्र विकास को ध्यान में रखकर अनेक रचनात्मक प्रतियोगिताओं, अतिथि व्याख्यानों, कार्यशालाओं एवं राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय परिसंवादों का आयोजन करता आ रहा है।

:- महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई -:

महाराष्ट्र शासन द्वारा स्थापित महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी हिंदी, मुंबई भाषा और साहित्य के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयत्नशील है। राज्य के अधिनिवासी रचनाकारों की मौलिक कृतियों को प्रकाशन - अनुदान, श्रेष्ठ कृतियों को विधा पुरस्कार तथा हिंदी सेवियों को अखिल भारतीय एवं राज्य स्तरीय सम्मान आदि के माध्यम से अकादमी हिंदी भाषा और साहित्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। अनुवाद तथा अन्य साहित्यिक प्रयत्नों के द्वारा राज्य भाषा मराठी और हिंदी में आदान - प्रदान की प्रक्रिया को बढ़ावा देना, साहित्यिक संगोष्ठियों, परिसंवादों, सम्मेलनों के आयोजन में सहयोग देना अकादमी के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है।

:- विषय की प्रासंगिकता -:

साहित्य और राष्ट्रीयता का अविच्छिन्न संबंध है। साहित्य जिस परंपरा से जीवन ग्रहण करता है, वह किसी समाज और राष्ट्र की सांस्कृतिक परंपरा ही होती है। समकालीन हिंदी साहित्य पर विचार करते हुए यह बात साफ़ हो जाती है कि इस दौर के रचनाकारों ने समकालीन समय, सामाजिक - राजनीतिक परिवर्तन एवं विकास की प्रक्रियाओं में आम-आदमी को ध्यान में रखते हुए साहित्य की रचना की। जिसमें नक्सल बाड़ी की घटना, कृषि संबंधी संघर्ष, स्त्री, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक, आपातकाल, सांप्रदायिक दंगे, भूमंडलीकरण, बाजारवाद, उदारीकरण, नव्यसाम्राज्यवाद जैसे कारक भारतीय समाज और जनमानस को बदलने में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं, बावजूद इसके राष्ट्रवादी दृष्टि संपन्न रचनाकारों ने आवाम में राष्ट्रीय सांस्कृतिक अस्मिता, आपसी सद्भाव-भाईचारा, सहयोग और सहानुभूति का अलख जगाये हुए हैं, जिसपर गंभीरतापूर्वक अकादमिक रूप से चिंतन मनन हेतु दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें समकालीन साहित्य के साहित्यकारों व सुधी अध्येताओं यथा - डॉ. विजय कुमार, डॉ. सूर्यबाला, डॉ. सतीश पांडेय, प्रो. अनिल सिंह, प्रो. करुणाशंकर उपाध्याय, प्रो. सुनीता साखरे, प्रो. उषा मिश्रा, प्रो. दर्शन पांडेय आदि की उपस्थिति में यह गंभीर बहस और भी ज्यादा अकादमिक लक्ष्य केन्द्रित और जनोन्मुख होगी।

कार्यक्रम की रूपरेखा

उद्घाटन सत्र (प्रातः १० बजे से १२.०० बजे

उद्घाटक : प्रो. शीतलाप्रसाद दुबे,
(कार्याध्यक्ष महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई)

बीज वक्तव्य : प्रो. श्रीराम परिहार,
सुप्रसिद्ध साहित्यकार

अध्यक्ष : डॉ. राजेन्द्र सिंह,
अध्यक्ष, हिन्दी विद्या प्रचार समिति, मुंबई

मुख्य अतिथि : डॉ. उषा मुकुंदन
निदेशक, हिन्दी विद्या प्रचार समिति, मुंबई

स्वागताध्यक्ष : डॉ. हिमांशु दावडा,
प्राचार्य, आर. जे. महाविद्यालय, मुंबई

प्रस्ताविकी : डॉ. मिथिलेश शर्मा,
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, आर. जे. महाविद्यालय, मुंबई

R. J. College of Arts, Science & Commerce
Est. 1963
AUTONOMOUS
NAAC Re-accredited 'A' Grade
Ghatkopar (W), Mumbai 400 086, INDIA

PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE
OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA

कार्यक्रम की रूपरेखा

शुक्रवार, २३ फरवरी, २०२४
पंजीकरण एवं जलपान : प्रातः 9.00 बजे से 10 बजे तक

उद्घाटन सत्र
(प्रातः १० बजे से दोपहर १२.०० बजे तक

प्रथम सत्र
(दोपहर १२.०० बजे से दोपहर १.३० बजे तक)
समकालीन हिंदी कविता में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचारधारा

भोजनावकाश
(दोपहर १.३० बजे से २.१५ तक)

द्वितीय सत्र
(दोपहर २.१५ बजे से शाम ४.३० बजे तक)
समकालीन हिंदी कहानी में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचारधारा

कार्यक्रम की रूपरेखा

शनिवार, २४ फरवरी, २०२४
जलपान : प्रातः 9.00 बजे से 10 बजे तक

तृतीय सत्र
(प्रातः १० बजे से दोपहर १.३० बजे तक)
समकालीन हिंदी उपन्यास में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचारधारा

भोजनावकाश
(दोपहर १.३० बजे से २.१५ तक)

चतुर्थ सत्र
(दोपहर २.१५ बजे से शाम ४.०० बजे तक)
समकालीन कथेतर हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचारधारा

समापन सत्र
(शाम ४ बजे से दोपहर ५ बजे तक)

महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई
एवं
हिन्दी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित
रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय
(सशक्त स्वायत्त)
घाटकोपर (प.) मुंबई – ४०००८६

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

दो – दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद

:- विषय -:
समकालीन हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचारधारा
शुक्रवार व शनिवार, २३ – २४ फरवरी, २०२४,
प्रातः १० बजे से
स्थल : एम.पी.एस.एस. हॉल, आर.जे. महाविद्यालय
घाटकोपर (प.)

संयोजिका

डॉ. मिथिलेश शर्मा
(हिंदी विभागाध्यक्षा, आर.जे. महाविद्यालय)

गुप्ता अशोक कुमार
(हिंदी विभाग, आर.जे. महाविद्यालय)

R. J. College of Arts, Science & Commerce • Est. 1963 • AUTONOMOUS • NAAC Re-accredited 'A' Grade • Ghatkopar (W), Mumbai 400 086, INDIA

PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE
OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA

REPORT

रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय (सशक्त स्वायत्त) में दो-दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद संपन्न

शुक्रवार-शनिवार, दिनांक 23-24 फरवरी, 2024 को हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय (स्वायत्त) के हिंदी विभाग एवं महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई के संयुक्त तत्त्वावधान में "समकालीन हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचारधारा" विषय पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की तृतीय वर्ष की छात्रा साक्षी मिश्रा द्वारा प्रस्तुत माँ सरस्वती की वंदना तदुपरांत राज्यगान के साथ हुआ।

उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र सिंह जी ने अपने वक्तव्य में हिंदी भाषा को भाषा न मानकर विद्या मानते हुए, हिंदी से शिक्षा-दीक्षा ग्रहण किये विद्यार्थियों को स्वयं के भीतर हीनभाव न लाने की बात कही। कार्यक्रम के उद्घाटक प्रो. डॉ. शीतलाप्रसाद दुबे जी, बीज वक्तव्य डॉ. श्रीराम परिहार जी ने दिया तथा मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. उषा मुकुंदन उपस्थित थीं। स्वागत वक्तव्य प्राचार्य डॉ. हिमांशु दावड़ा ने दिया। प्रस्ताविकी एवं अतिथियों का परिचय हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ. मिथिलेश शर्मा ने दिया। परिसंवाद का प्रथम सत्र "समकालीन हिंदी कविता में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचारधारा" के अध्यक्ष मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय और मुख्य अतिथि मुंबई के प्रसिद्ध कवि व आलोचक डॉ. विजय कुमार उपस्थित थे। इस सत्र के मुख्य वक्ताओं में सुश्री संज्योति सानप, डॉ. ऋषिकेश मिश्र, डॉ. अजीत कुमार राय द्वारा प्रपत्र प्रस्तुत किए गए तथा संचालन एवं आभार वी.जी. वझे महाविद्यालय की हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ. अर्चना दुबे द्वारा दिया गया। द्वितीय सत्र का विषय "समकालीन हिंदी कहानी में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचारधारा" था। इस सत्र की अध्यक्ष सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. सूर्यबाला जी तथा मुख्य अतिथि गुरुनानक महाविद्यालय की हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मनप्रीत कौर उपस्थित थीं। इस सत्र के विशिष्ट अतिथि एम.डी. महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. उमेश शुक्ल तथा बी.के. बिड़ला महाविद्यालय के डॉ.

R. J. College of Arts, Science & Commerce, Est. 1963, AUTONOMOUS, NAAC Re-accredited 'A' Grade, Ghatkopar (W), Mumbai 400 086, INDIA

PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA

श्यामसुन्दर पाण्डेय जी उपस्थित थे। संट ज़ेवियर महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. भगवती प्रसाद उपाध्याय, विल्सन महाविद्यालय की हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सत्यवती चौबे, केन्द्रीय संस्कृत महाविद्यालय की हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. गीता दुबे द्वारा प्रपत्र प्रस्तुत किए गए। हिन्दुस्तानी प्रचार सभा के परियोजना समन्वयक श्री राकेश त्रिपाठी द्वारा इस सत्र का संचालन किया गया।

दूसरे दिन 24 फरवरी, 2024, दिन मंगलवार को परिसंवाद का तृतीय सत्र "समकालीन हिंदी उपन्यास में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचारधारा" की अध्यक्षता एम.एम. पी. शाह महिला महाविद्यालय की पूर्व हिंदी विभागाध्यक्षा प्रो. डॉ. उषा मिश्रा द्वारा की गई। इस सत्र के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की हिंदी विभागाध्यक्षा प्रो. डॉ. पुष्पारानी शर्मा और आर्यकन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हापुड़, उ.प्र. की प्राचार्या प्रो. डॉ. साधना तोमर ऑनलाइन माध्यम से तथा बी.के. बिड़ला महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. बालकवि सुरंजे, पी.एन. दोशी महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. वेदप्रकाश दुबे व साठ्ये महाविद्यालय के डॉ. महात्मा पाण्डेय ऑफलाइन माध्यम से सभागार में उपस्थित थे। प्रपत्र पाठकों में सुश्री वृषाली चौगुले, डॉ. संदेशा भावसार, डॉ. राजश्री चौरसिया, डॉ. स्मृति सिंह, डॉ. जनकनंदिनी त्रिपाठी व डॉ. ज्योत्सना राम द्वारा प्रपत्र प्रस्तुत किए गए। रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय के गुप्ता अशोक कुमार ने इस सत्र का संचालन किया। परिसंवाद का चतुर्थ सत्र "समकालीन कथेतर हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचारधारा" सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. श्रीराम परिहार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस सत्र के मुख्य अतिथि सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय के भाषा एवं साहित्य संकाय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. सतीश पाण्डेय जी उपस्थित थे। मुख्य वक्ताओं शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली के प्रो. डॉ. दर्शन पाण्डेय, एस. आई. ई. एस. महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश पाठक, श्रीस्वामी परांकुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बिहार के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज दुबे, एल्फिन्स्टन महाविद्यालय की डॉ. भारती सानप, के.जे. सोमैया महाविद्यालय के डॉ. अनंत द्विवेदी द्वारा प्रपत्र प्रस्तुत किए गए। रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय के डॉ. तेजबहादुर सिंह ने इस सत्र का संचालन किया।

R. J. College of Arts, Science & Commerce EST. 1963 AUTONOMOUS NAAC Re-accredited 'A' Grade Ghatkopar (W), Mumbai 400 086, INDIA

PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE
OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA

R. J. COLLEGE of Arts, Science & Commerce (Empowered Autonomous)
(Hindi Vidya Prachar Samiti's RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE of Arts, Science & Commerce)
Opposite Ghatkopar Railway Station, Ghatkopar (West), Mumbai - 400086, Maharashtra, INDIA.
Website: www.rjcollege.edu.in • Email : rjcollege@rjcollege.edu.in • Tel No. + 91 22 25151763
College is recognized under Section 2(f) & 12(B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to UNIVERSITY OF MUMBAI II NAAC Re-Accredited 'A' Grade (CGPA: 3.10)

कार्यक्रम के समापन सत्र की अध्यक्षता डॉ. संतोष कौल काक, प्राचार्या, बी. एम. रुइया गर्ल्स महाविद्यालय, मुंबई द्वारा की गई, जिन्होंने अपने वक्तव्य में साहित्य में राष्ट्रीय और सांस्कृतिक तत्व के महत्व को समझाया। कार्यक्रम के सफल समापन पर महाविद्यालय की छात्रा मौसम यादव तथा छात्र रिषभ तिवारी व केशव यादव ने भी अपना मंतव्य व्यक्त किया और ऐसे आयोजन को विद्यार्थियों के लिए हितकर बताया। इस राष्ट्रीय परिसंवाद की संयोजिका डॉ. मिथिलेश शर्मा अपने महाविद्यालय की प्रबंधन समिति अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र सिंह, निदेशिका डॉ. उषा मुकुंदन एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हिमांशु दावड़ा तथा महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया, जिनके आर्थिक सहयोग से यह आयोजन संभव हो सका। इसके अतिरिक्त अन्य महाविद्यालयों से आए प्राध्यापकों तथा अपने ही कनिष्ठ व वरिष्ठ महाविद्यालयों के प्राध्यापकों व दो दिन तक कार्यक्रम में उपस्थित रहने वाले सभी छात्रों के प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ इस परिसंवाद का समापन संपन्न हुआ।

दो-दिवसीय इस राष्ट्रीय परिसंवाद में समकालीन साहित्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचारधारा पर गंभीरतापूर्वक अकादमिक चिंतन-मनन हुआ। शोधार्थियों व विद्यार्थियों को समकालीन साहित्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचारधारा को समझने हेतु एक नई दृष्टि मिली।

R. J. College of Arts, Science & Commerce
EST. 1963
AUTONOMOUS
NAAC Re-accredited 'A' Grade
Ghatkopar (W), Mumbai 400 086, INDIA

PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE
OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA

Certificates

महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई
एवं
हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित
रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय (सशक्त स्वायत्त)
घाटकोपर (प.), मुंबई - ४०० ०८६.
एन.ए.ए.सी. द्वारा पुनर्मूल्यांकित - ए ग्रेड - सी.जी.पी.ए. ३.५०

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/ सुश्री / डॉ. सूर्यबाला
ने २३-२४ फरवरी २०२४ को 'समकालीन हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचारधारा' विषय पर आयोजित दो - दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद में प्रपत्र वाचक / मुख्यअतिथि / विशिष्ट अतिथि / सत्राध्यक्ष के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया ।

डॉ. हिमांशु दावड़ा, प्राचार्य
प्रो. शीतला प्रसाद दुबे, कार्याध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई
डॉ. मिथिलेश शर्मा, संयोजिका

महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई
एवं
हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित
रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय (सशक्त स्वायत्त)
घाटकोपर (प.), मुंबई - ४०० ०८६.
एन.ए.ए.सी. द्वारा पुनर्मूल्यांकित - ए ग्रेड - सी.जी.पी.ए. ३.५०

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/ सुश्री / डॉ. अनिल सिंह
ने २३-२४ फरवरी २०२४ को 'समकालीन हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचारधारा' विषय पर आयोजित दो - दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद में प्रपत्र वाचक / मुख्यअतिथि / विशिष्ट अतिथि / सत्राध्यक्ष के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया ।

डॉ. हिमांशु दावड़ा, प्राचार्य
प्रो. शीतला प्रसाद दुबे, कार्याध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई
डॉ. मिथिलेश शर्मा, संयोजिका

R. J. College of Arts, Science & Commerce, Est. 1963, AUTONOMOUS, NAAC Re-accredited 'A' Grade, Ghatkopar (W), Mumbai 400 086, INDIA

PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA

PHOTOS OF Two Day National Seminar: 21vi Sadi ki Chunautiyan aur Hindi Katha Sahitya

(Left to Right) Dr. Mithilesh Sharma, HOD Hindi, Dr. Usha Mukundan, Director HVPS, Dr. Shitla Prasad Dubey , Dr. Rajendra Singh, President HVPS, Dr. Shriram Parihar and Dr. Himanshu Dawda

Participants of the Seminar

R. J. College of Arts, Science & Commerce Est. 1963 AUTONOMOUS NAAC Re-accredited 'A' Grade Ghatkopar (W), Mumbai 400 086, INDIA

PRINCIPAL
RAMNIRANJAN JHUNJHUNWALA COLLEGE OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS) Ghatkopar (W), Mumbai-400 086, Maharashtra, INDIA